5. आसमान गिरा

सोचो-बोलो

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखाई दे रहा है?
2. शेर कुएँ में देखकर क्या सोच रहा होगा?
3. खरगोश शेर से क्या कह रहा होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

एक खरगोश था। वह पेड़ के नीचे सो रहा था। अचानक ज़ोर की आवाज़ हुई - ''धम्म'' खरगोश उठ बैठा। वह बोला, 'अरे! क्या गिरा?' खरगोश ने इधर-उधर देखा। उसे कुछ दिखायी नहीं दिया। उसे लगा आसमान गिर रहा है। खरगोश डर गया और भागने लगा।

भागते-भागते उसे एक लोमड़ी मिली। उसने पूछा- 'खरगोश भाई, कहाँ जा रहे हो? ज़रा सुनो तो।'

खरगोश भागते-भागते बोला - 'आसमान गिर रहा है, भागो! भागो! जल्दी भागो!'

लोमड़ी भी भागने लगी। आगे जाकर उन्हें एक भालू मिला। भालू बोला- 'ठहरो, ठहरो! कहाँ भागे जा रहे हो?'

खरगोश और लोमड़ी बोले - 'भागो! तुम भी भागो। आसमान गिर रहा है।'

भालू भी उनके साथ भागने लगा। खरगोश, लोमड़ी और भालू भागते-भागते एक हाथी के पास से निकले। हाथी - 'अरे! सब क्यों भागे जा रहे हो? ठहरो कुछ बताओ तो।'

भालू बोला - 'आसमान गिर रहा है, तुम भी भागो।' हाथी भी भागने लगा। सब भाग रहे थे - आगे-आगे खरगोश, उसके पीछे-पीछे लोमड़ी, उसके पीछे भालू और सबके पीछे हाथी।

भागते-भागते उन्हें शेर मिला। उसने पूछा - 'तुम सब क्यों भागे जा रहे हो?'

हाथी बोला - 'आसमान गिर रहा है। तुम भी भागो।'

SCERT TELANGANA

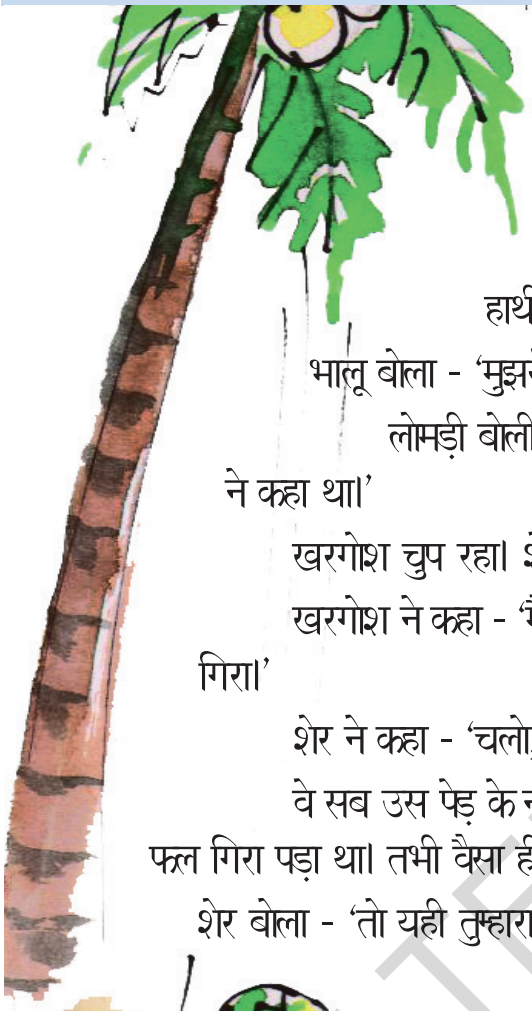

शेर ने दहाड़ कर कहा - 'आसमान गिर रहा है। कहाँ गिर रहा है? रुको।' यह सुनकर सभी जानवर रुक गये। शेर ने पूछा - 'किसने कहा आसमान गिर रहा है?'

हाथी बोला - 'भालू ने कहा।'

भालू बोला - 'मुझसे तो लोमड़ी ने कहा।'

लोमड़ी बोली - 'मुझसे तो खरगोश ने कहा था। सबसे पहले इसी ने कहा था।'

खरगोश चुप रहा। शेर बोला - 'खरगोश! कहाँ गिर रहा है आसमान?'

खरगोश ने कहा - 'मैं तो पेड़ के नीचे सो रहा था। वहीं धम्म से आसमान गिरा।'

शेर ने कहा - 'चलो, चलकर देखें'

वे सब उस पेड़ के नीचे गये। सबने पेड़ के नीचे देखा। वहाँ एक बड़ा-सा फल गिरा पड़ा था। तभी वैसा ही एक और फल गिरा - धम्म! खरगोश चौंक गया।

शेर बोला - 'तो यही तुम्हारा आसमान था। लो फिर आसमान गिरा। भागो!'

और सभी हँसने लगे।

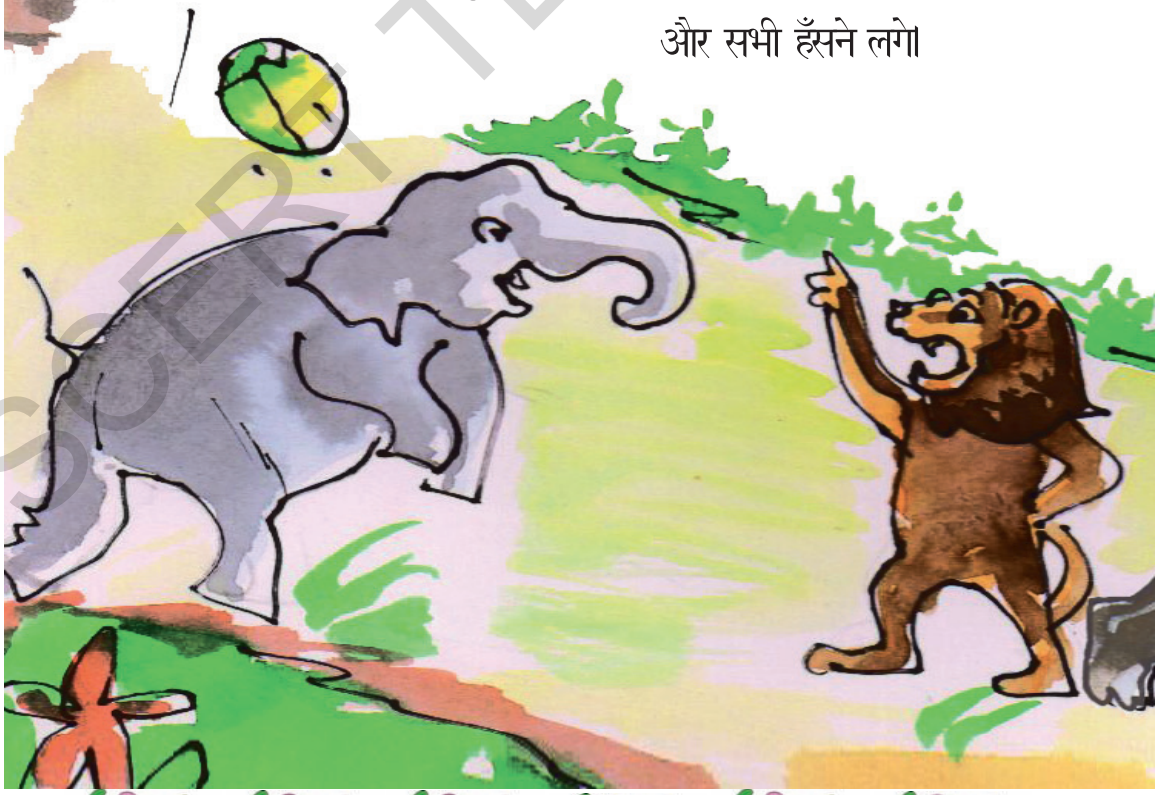

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. भागते समय खरगोश ने क्या सोचा होगा?

2. सब क्यों हँस पड़े?

पढ़ो

इन वाक्यों को पाठ के आधार पर क्रम (1..., 5) दीजिए।

- खरगोश डरकर भागने लगा। ( )
- शेर ने पूछा - 'किसने कहा, आसमान गिर रहा है?' ( )
- भागते-भागते खरगोश को एक लोमड़ी मिली। ( )
- खरगोश वृक्ष के नीचे सो रहा था। (1)
- तभी वैसा ही एक और फल गिरा। ( )

लिखो

(अ) खरगोश के पीछे कौन-कौन भाग रहे थे? क्यों?

.....

.....

.....

.....

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

(अ) तालिका में नीचे गिरने पर आवाज़ आने वाली और आवाज़ नहीं आने वाली चीज़ों के उदाहरण लिखिए।

आवाज़ आती है।	आवाज़ नहीं आती है।
नारियल	रूई

(आ) नीचे दी गयी वर्ग-पहेली से जानवरों के नाम चुनकर लिखिए।

ख	र	गो	श	हा
प	भा	न	क्ष	थी
शे	ग	लू	बा	ची
र	धा	हि	र	ण
ची	ता	प	व	ल

उदाः- खरगोश

.....

.....

.....

.....

.....

भाषा की बात

पाठ में खरगोश, लोमड़ी, भालू, हाथी, शेर आदि जानवरों के नाम आये हैं। ऐसे नाम वाले शब्द जो किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि के बारे में बतलाते हैं, उन्हें संज्ञा कहते हैं।

नीचे कुछ उदाहरण दिये गये हैं। उन्हें ध्यान से देखो।

- रमेश कलम से लिखता है।
- लड़के मैदान में खेलते हैं।
- सुनीता पढ़ाई में आगे है।
- ग्वाला दूध लाता है।
- पाठशाला में सभा चल रही है।

SCERT TELANGANA

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

अपने मनपसंद प्राणी का चित्र बनाकर उसके बारे में दो वाक्य लिखिए।

.....

.....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता /सकतीहूँ।		

हमें सोच-समझकर काम करना चाहिए।

विचार-विमर्श

हम भी कभी-कभी बिना सोचे, बिना जाँचे-परखे, किसी की बात सच मान लेते हैं। ऐसा करने से क्या नुकसान हो सकता है?

SCERT TELANGANA

पढ़ो-आनंद लो

बादल

एक लड़का था। उसका नाम भरत था। वह नयी-नयी बातें जानना चाहता था। एक दिन वह पाठशाला से आ रहा था। आसमान में बादल छाये हुए थे। घर अभी कुछ दूर था। इतने में बड़ी-बड़ी बूँदें गिरने लगीं। भरत भागता हुआ घर पहुँचा। फिर भी वह भीग गया था।

भरत को देखते ही पिताजी बोले- ''जाओ, कपड़े बदल लो, नहीं तो सर्दी लग जाएगी।''

कपड़े बदलते ही भरत सोचने लगा- आसमान में पानी कहाँ से आता है? बादल आने पर ही वर्षा क्यों होती है? उसने सोचा, पिताजी से पूछना चाहिए। वह कपड़े बदलकर पिताजी के पास गया।

भरत ने पूछा- ''पिताजी! वर्षा का पानी कहाँ से आता है?''

''बादलों से!'' पिताजी ने बताया।

भरत ने फिर पूछा- ''लेकिन बादलों में इतना पानी कहाँ से आता है?''

पिताजी ने समझाते हुए कहा- ''बेटा, तालाबों, नदियों और समुद्रों में पानी होता है। सूर्य की तेज़ गर्मी से यही पानी भाप में बदल जाता है। फिर भाप आसमान में जाकर बादल बन जाती है।''

भरत ने प्रश्न किया- ''पिताजी! भाप, बादल कैसे बन जाती है?'

पिताजी ने उत्तर दिया- ''भाप हलकी होती है। हलकी होने के कारण यह ऊपर उठती है। ऊपर होती है ठंड! ठंड से ही भाप फिर से पानी की बहुत ही नन्हीं-नन्हीं बूँदों का रूप ले लेती हैं।बादल ऐसी ही नन्हीं-नन्हीं बूँदों का समूह है।''

पिताजी भरत को रसोईघर में ले गये। वहाँ माँ चाय बना रही थीं। चूल्हे पर केतली रखी थी। केतली के मुँह से भाप ऊपर की ओर उठ रही थी। पिताजी ने ठंडे पानी से भरा एक गिलास उठाया। इस गिलास को वे भाप के पास ले आये। कुछ देर गिलास को वहीं पकड़े खड़े रहे।

भरत ने देखा कि गिलास पर से पानी की बूँदें टपक रही हैं। भरत सब कुछ समझ गया। वह बहुत खुश हुआ।